.Class 8

Subject Sanskrit

Topic संस्कृत वाक्य निर्माण

Write and do practice

अनुवाद करने के सामान्य नियम –

हिंदी के वाक्यो को संस्कृत भाषा मे अनुवाद करने के नियम निश्चित होते है | नियमो का पालन करके हम संस्कृत भाषा मे अनुवाद कर सकते है | अनुवाद करने के कुछ सामान्य नियम इस प्रकार है -

> 1:संस्कृत में तीन पुरुष होते है – i- प्रथम पुरुष या अन्य पुरुष , ii- मध्यम पुरुष , iii- उत्तम पुरुष

> 2:संस्कृत म्रें तीन वचन होते है – i- एकवचन , ii- व्दिवचन ,iii-बहुवचन

> 3:संस्कृत में तीन लिंग होते है – i-पुल्लिंग ,ii-स्त्रीलिंग , iii-नपुंसकलिंग

4:अनुवाद करते समय सबसे पहले हम वाक्य का कर्त्ता पहचानना चाहिये |क्रिया से 'कौन' लगा कर प्रश्न करने से जो उत्तर मिलता है ,वह कर्त्ता होता है |जैसे -रमेश खेलता है | यदि कहा जाय- कौन खेलता है ? , इसका उत्तर होगा -रमेश | अत: इस वाक्य मे रमेश कर्त्ता है |

5:कर्त्ता के अनुसार क्रिया का प्रयोग होता है | अर्थात यदि कर्ता एक वचन है तो उसकी क्रिया भी एकवचन तथा यदि कर्ता व्दिवचन है तो उसकी क्रिया व्दिवचन और यदि कर्ता बहुवचन हो तो क्रिया भी बहुवचन होती है

6:प्राय: क्रियाओ के काल का बोध कराने के लिए 5 लकारो का प्रयोग होता है , जो निम्न है –

(i) लट्लकार -वर्तमान काल की क्रिया के लिए प्रयोग किया जाता है | जैसे -स: पठति |

(ii)लड्.लकार -भूतकाल काल की क्रिया के लिए प्रयोग किया जाता है | जैसे -स: अपठत् |

(iii)लृट लकार -भविष्यत् काल की क्रिया के लिए प्रयोग किया जाता है | जैसे -स: पठिष्यति |

(iv)लोट् लकार -आज्ञा देने या प्रार्थना करने की क्रिया के लिए प्रयोग किया जाता है | जैसे - त्वं पठ|

(v) बिधिलिंग लकार – चाहिये या उपदेश आदि की क्रिया के लिए प्रयोग किया जाता है |जैसे -स: पठेत्|

विवेक आज घर जायेगा।	विवेकः अद्य गृहं गमिष्यति।
सदाचार से विश्वास बढता है।	सदाचारेण विश्वासं वर्धते।
वह क्यों लज्जित होता है?	सः किमर्थम् लज्जते?
हम दोनों ने आज चलचित्र देखा।	आवां अद्य चलचित्रम् अपश्याव।
हम दोनों कक्षा में अपना पाठ पढ़ेंगे।	आवां कक्षायाम् स्व पाठम पठिष्यावः।
वह घर गई।	सा गृहम् अगच्छत्।
सन्तोष उत्तम सुख है।	संतोषः उत्तमं सुखः अस्ति।
पेड़ से पत्ते गिरते है।	वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।
मै वाराणसी जाऊंगा।	अहं वाराणासीं गमिष्यामि।
मुझे घर जाना चाहिये।	अहं गृहं गच्छेयम्।

हिंदी के सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद के उदाहरण –

हिंदी वाक्य	संस्कृत अनुवाद
मेरे मित्र ने पुस्तक पढ़ी ।	मम मित्रं पुस्तकं अपठत् ।
वे लोग घर पर क्या करेंगे ।	ते गृहे किम करिष्यन्ति ।
यह गाय का दूध पीता है ।	सः गोदुग्धम पिवति ।
हम लोग विद्यालय जाते है ।	वयं विद्यालयं गच्छामः ।
तुम शीघ्र घर जाओ ।	त्वं शीघ्रं गृहम् गच्छ ।
हमें मित्रों की सहायता करनी चाहिये ।	वयं मित्राणां सहायतां कुर्याम ।
विवेक आज घर जायेगा ।	विवेकः अद्य गृहं गमिष्यति ।

यह राम की किताब है।	इदं रामस्य पुस्तकम् अस्ति।
हम सब पढ़ते हैं।	वयं पठामः।
सभी छात्र पत्र लिखेंगे।	सर्वे छात्राः पत्रं लिखिष्यन्ति।
मै विद्यालय जाऊंगा।	अहं विद्यालयं गमिष्यामि।
प्रयाग में गंगा -यमुना का संगम है।	प्रयागे गंगायमुनयोः संगमः अस्ति।
हम सब भारत के नागरिक हैं।	वयं भारतस्य नागरिकाः सन्ति।
वाराणसी गंगा के पावन तट पर स्थित है।	वाराणसी गंगायाः पावनतटे स्थितः अस्ति।
वह गया।	सः आगच्छत्।
वह किसका घोड़ा है ?	सः कस्य अश्वः अस्ति ?
तुम पुस्तक पढ़ो।	त्वं पुस्तकं पठ।

हम सब भारत के नागरिक हैं।	वयं भारतस्य नागरिका: सन्ति।
देशभक्त निर्भीक होते हैं।	देशभक्ता: निर्भीका: भवन्ति।
सिकन्दर कौन था?	अलक्षेन्द्र: क: आसीत्?
राम स्वभाव से दयालु हैं।	राम: स्वभावेन दयालु: अस्ति।
वृक्ष से फल गिरते हैं।	वृक्षात् फलानि पतन्ति।
शिष्य ने गुरु से प्रश्न किया।	शिष्य: गुरुं प्रश्नम् अपृच्छत्।
मैं प्रतिदिन स्नान करता हूँ।	अहं प्रतिदिनम् स्नानं कुर्यामि।
मैं कल दिल्ली जाऊँगा।	अहं श्व: दिल्लीनगरं गमिष्यामि।
प्रयाग में गंगा-यमुना का संगम है।	प्रयागे गंगायमुनयो: संगम: अस्ति।